इज़रायल से भारत आने वाले संसदीय शिष्टमंडल के सम्मान में आयोजित भोज के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

भारत की जनता और संसद की ओर से आप के नेतृत्व में इज़रायल के संसदीय शिष्टमंडल का हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।मुझे विश्वास है कि आपकी इस पहली यात्रा से भारत और इज़रायल के लोगों तथा सांसदों के बीच मित्रता एवं सहयोग को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

महामहिम, मैं आपको क्नेसेट के स्पीकर का पद ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में क्नेसेट इज़रायल के नागरिकों की प्रगति और समृद्धि के लिए और समर्पित होकर कार्य करेगा तथा इज़रायल की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं को और सशक्त किया जा सकेगा।

महामहिम, मुझे प्रसन्नता है कि आपने क्नेसेट के स्पीकर के रूप में अपना पहला विदेश दौरा करने के लिए भारत को चुना है। यह हमारे हजारों वर्ष पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रदर्शित करता है। भारत में सदियों से यहूदी आते रहे हैं और उनके योगदान ने भारतीय संस्कृति को और समृद्ध किया है।

महामहिम, भारत और इज़रायल के बीच सौहार्दपूर्ण राजनीतिक संबंधों को हम बहुआयामी बनाने पर काम कर रहे हैं। मेरी कामना है कि आने वाले वर्षों में वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी, कृषि और रक्षा के क्षेत्र में हमारा सहयोग और बढ़े।

महामहिम, मुझे आशा है कि आपकी इस यात्रा से भारत इज़रायल संसदीय आदान-प्रदान एवं संबंधों का एक नया युग आरंभ होगा।